तालिका . 2 घागस कुक्कुटों का टीकाकरण कार्यक्रम

आयु	टीका का नाम	नस्ल	खुराक	पद्धति
हैचरी में				
प्रथम दिन	मारेक्स बीमारी	एचवीटी	0.20 ml	एससी इंजेक्शन
नर्सरी में				
5 वां दिन	राणीखेत (न्यूकैसिल) बीमारी	लसोटा	एक बूँद	आंखों में
14 वां दिन	संक्रामक बर्सल बीमारी	जार्जिया	एक बूँद	मुँह में
21 वां दिन	फाउलपाक्स	फाउलपाक्स	0.20 ml	आईएम / एससी इंजेक्शन
28 वां दिन	राणीखेत (न्यूकैसिल) बीमारी	लसोटा	एक बूँद	आंखों में
क्षेत्र में				
9 वां सप्ताह	राणीखेत (न्यूकैसिल) बीमारी	R2B	0.50 ml	एससी इंजेक्शन
12 वां सप्ताह	फाउलपाक्स	फाउलपाक्स	0.20 ml	एससी इंजेक्शन

आपूर्ति

उपजाऊ अंडे: निदेशालय के हैचरी में घागस के उपजाऊ अंडे भुगतान के आधार पर उपलब्ध होते हैं। हैचिंग हेतु निर्धारित करने तक अंडों को ठंडे स्थान पर संग्रहित कर रखा जाए।

एक दिन की आयु के चूज़े : घागस की एक दिन की आयु के चूज़ों की प्राप्ती हेतु हैचरी में अग्रिम भुगतान किया जाए। "आईसीएआर यूनिट डीपीआर" के पक्ष में नकद या डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) के माध्यम से अग्रिम भुगतान प्राप्त होने पर ही चूज़ों की आपूर्ति की जाएगी और इसे निदेशक, आईसीएआर-डायरेक्टरेट ऑफ पोल्ट्री रिसर्च, राजेंद्रनगर, हैदराबाद -30 (टीएस) के पते पर भेजा जाए। निम्नलिखित विवरणों के साथ भुगतान RTGS / NEFT के माध्यम से भी किया जा सकता है: बैंक का नाम: एसबीआई, एनआईआरडी एक्स रोड शाखा, खाता धारक का नाम: "आईसीएआर यूनिट डीपीआर" खाता संख्या: 52114970338, IFSC कोड: SBIN0020378. पत्राचार के लिए कृपया अपना संपर्क पता, टेलीफोन नंबर एवं ई-मेल आईडी प्रदान करें।

बुकिंग एवं बुकिंग की स्थिति जानने हेतु संपर्क करें: हैचरी, फोन: 040-24018687. ईपीएबीएक्स: 040-24015651, 24017000, Ext. 113, 114 (कार्य दिवसों पर)। ईमेल: pdpoult@nic.in, dprhatchery@gmail.com वेबसाइट: www.pdonpoultry.org

ICAR- DPR Mobile App

भाकृअनुप-कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500 30 (टी.एस.)
ISO 9001-2015

घागस
(देशज कुक्कुट)

भाकृअनुप-कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय
ISO 9001-2015

देशी कुक्कुट नस्लें अपनी अद्वितीय विशेषताओं जैसे कुक्कुटों की दृढ़ता, मांस एवं अंडों का स्वाद, रंगीन पंख, घर के खुले आंगन में कम लागत प्रणाली में पनपने की क्षमता, घर के पिछवाड़े और ग्रामीण इलाकों में अर्ध-गहन पालन प्रणाली जैसी विशेषताओं के कारण देश भर में आदिवासीय और अर्ध-शहरी क्षेत्रों आदि में यह काफी लोकप्रियता प्राप्त किए हैं। इसके अलावा, इनके अंडों एवं मांस स्वादिष्ट होने के कारण भी विजातीय कुक्कुटों की तुलना में इनके अंडों एवं मांस की अधिक मांग बनी रहती है। ग्रामीण परिवारों में घर के खुले आंगन में देशी कुक्कुटों का पालन करने से उन्हें आजीविका सुरक्षा प्रदान करता है तथा विशेष रूप से ग्रामीण गरीबों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत होता है। शुद्ध नस्ल वाले कुक्कुटों की मांग को पूरा करने के लिए कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद ने देशी कुक्कुट नस्लों का संग्रहण, लक्षण वर्णन, संरक्षण और सुधार पर कार्यक्रम आरंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत, संस्थान के फार्म में विभिन्न देशी कुक्कुट नस्लों की खरीद कर उनका पालन-पोषण किया जा रहा है। घागस भारत की महत्वपूर्ण देशी कुक्कुट नस्लों में से एक है। यह एक मध्यम आकार की कुक्कुट है, जिसमें अच्छी मातृ क्षमता (ब्रूडनेस) होती है। इस नस्ल के नर कुक्कुट आकृतिक रूप से चमचमाती नीली काली पूंछ के पंख, छाती पर चमकते नीले-काले रंग के पंख और गर्दन तथा पूँछ के अंत में भूरा लाल रंग के पंख इसे और अधिक आकर्षक बनाते हैं। मादा कुक्कुटों में ज्यादातर भूरे रंग के पंखों के साथ गहरे भूरे रंग के मिश्रित पंख होते हैं। कुक्कुटों में मटर कंघी मुख्य रूप से देखी जाती है लेकिन कुछ कुक्कुटों में एकल कंघी भी देखी जाती है। कान की लोब लाल होती हैं जबकि गलचर्म नहीं होता और इसके त्वचा का रंग पीला या सफेद होता है। इस नस्ल को आंध्रप्रदेश की सीमा से लगे कर्नाटक के कोलार जिले में अपने मूल प्रजनन पथ से एकत्र किया गया। वर्तमान में इस संस्थान में इस नस्ल का गहन प्रणाली के अंतर्गत संरक्षण किया जा रहा है।

घागस कुक्कुट को पालने का मुख्य लाभ

यह एक शुद्ध देशी कुक्कुट है। किसान इस घागस कुक्कुट के उपजाऊ अंडों का उपयोग कर प्राकृतिक हैचिंग के माध्यम से अगली पीढ़ी के चूजों का उत्पादन कर सकते हैं। उन्हें इन देशी कुक्कुटों के चूजों के नए बैच की खरीदी के लिए बार-बार हैचरी आने की आवश्यकता नहीं है। घाघस कुक्कुट चूजों को तापमान प्रदान (ब्रूडिनेस) इसके स्वयं प्रचारण करने से मिल जाता है, याने कि वे स्वयं इस नस्ल के कुक्कुटों को प्राकृतिक रूप से सेन कर चूजों का उत्पादन करते हैं।

घागस कुक्कुट के मुख्य लक्षण

- आकर्षक रंगीन पंख
- औसतन शरीर का वज़न
- दृढ़ता
- लंबी टांगें
- मध्यम आकार के भूरे रंग के अंडों का उत्पादन
- उत्कृष्ट मातृत्व गुणों (सेननता) के कारण स्वयं चूजे सेनती है
- कम वसा वाले मांस का उत्पादन

तालिका 1 . घागस कुक्कुटों का प्रदर्शन

आर्थिक लक्षण	फार्म	क्षेत्र
शरीर का वज़न		
8 सप्ताह. ग्राम	400 - 500	-
20 सप्ताह. कि.ग्राम	1.8 - 2.0 (नर)	-
	1.2 - 1.4 (मादा)	-
40 सप्ताह. कि.ग्राम	2.6 – 2.8 (नर)	2.0 - 2.1 (नर)
	1.4 – 1.6 (मादा)	1.2 - 1.4 (मादा)
पहला अंडे के समय आयु. दिन	170 – 180	175 - 200
72 सप्ताह तक अंडा उत्पादन, संख्या .	100 – 115	60 – 80
अंडे का वजन . ग्राम		
40 सप्ताह	42-46	40 - 42
72 सप्ताह	46 – 48	-
पकाने के लिए तैयार मांस, %	68-70	-
ऊर्वरता, %	85 – 92	-
सेननता (रखे गए ऊर्वर अंडे), %	90.80	-
20 सप्ताह तक उत्तरजीविता, %	85-90%	-
20 सप्ताह तक उत्तरजीविता, %	85 - 92	-
लेयर गृह में उत्तरजीविता (21-40 सप्ताह)	90 - 95	-

* प्राप्त रिपोर्ट

नर्सरी प्रबंधन

प्रारंभिक छह सप्ताह की आयु तक इसे ब्रूडिंग आवश्यक है। इस अवधि के दौरान इसे समान आयु वाले लेयर कुक्कुटों के जैसे टीकाकरण, स्वास्थ्य देखभाल और प्रबंधन प्रथाएं दी जाएं।

दाना: नर्सरी अवधि के दौरान आवश्यक खनिज, विटामिन, रोगाणुरोधी और एंटी-कोकसीडियल के साथ संतुलित दाना दिया जाए। स्थानीय रूप से उपलब्ध दाना सामग्री जैसे ग्राउंड मक्का, बाजरा, ज्वार, रागी, टूटे चावल, चावल का भूसा, सूरजमुखी केक, मूँगफली केक आदि का उपयोग कर 2400 kcal ME (ऊर्जा) / किग्रा हेतु, 18% कच्चा प्रोटीन, 0.85% लाइसिन, 0.38% मिथियोनीन, 0.7% कैल्शियम और 0.35% उपलब्ध फॉस्फोरस से दाना तैयार किया जा सकता है। सभी चूजों को आसानी से दाना एवं स्वच्छ पेयजल निरंतर पहुंचना सुनिश्चित करें।

स्वास्थ्य देख-रेख: घागस कुक्कुट दृढ़ होने के साथ-साथ देशी कुक्कुटों के जैसे वे कुछ जीवाणु और परजीवी रोगों के लिए अपेक्षाकृत अधिक प्रतिरोधी हो सकते हैं। हालांकि, उन्हें सही समय पर टीकाकरण कर मारेक्स, न्यूकैसल और फाउलपॉक्स जैसे संक्रामक बीमारियों से बचाने की आवश्यकता है। (कृपया टीकाकरण अनुसूची के लिए तालिका 2 देखें)।